**विकलांग बालकों को शिक्षा सम्बन्धी सहायता**

2644. **श्रीमती सावित्री निगम** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विकलांग बच्चों के अभिभावकों को, जो सरकारी सेवा में हैं, उनके बच्चों की शिक्षा के लिये कोई सहायता नहीं दी जाती है जब कि विकलांग बच्चों को छोड़कर अन्य बच्चों के अभिभावकों को उनके बच्चों की शिक्षा तथा प्रशिक्षण के लिये सरकार की ओर से सहायता मिलती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं।

**वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी)** : (क) और (ख). केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को उनके बच्चों की शिक्षा के लिये निम्नलिखित योजनाओं के अन्तर्गत सहायता मिलती है:

(i) बच्चों की शिक्षा के लिये भत्ते और (ii) शिक्षण-फीस की वापसी।

मूक और वधिर स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की ट्यूशन फीस की वापसी के अलावा इन योजनाओं में अन्य किसी विशेष सहायता की व्यवस्था नहीं है।

विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिये सरकार कुछ संस्थाएं चला रही है और बच्चों को उदारतापूर्वक छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। केन्द्रीय सरकार के जिन कर्मचारियों के विकलांग बच्चे हैं वे भी सर्वसाधारण व्यक्तियों की तरह इन संस्थाओं से लाभ उठा सकते हैं।

**Cost of Living**

**2645. Dr. L. M. Singhvi** : Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether there is a continuing upward trend in the cost of living; and

(b) if so, the extent thereof and the remedical measures, if any, in the contemplation of Government ?

**The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri)** : (a) and (b). The Working Class Consumer Price Index (1949=100), which had gone up from 130 in March, 1963 to 174 in March, 1966, went up further to 185 by June, 1966.

It is the continuing endeavour of Government to restrain rise in cost of living by increasing production, keeping a check on demand by appropriate fiscal and monetary policies, and regulating prices and distribution of essential articles of mass consumption in times of shortage.

**Rajasthan Canal Project**

**2646. Dr. L. M. Singhvi** : Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) Whether the Government have finally decided to finance the Rajasthan Canal Project out of the plan ceilings for the State; and

(b) if not, the reasons therefor ?

**The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri)** : (a) No, Sir.

(b) The matter is still under consideration in consultation with the State Government.

**रामगंगा परियोजना**

2647. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री रघुनाथ सिंह :**

क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रामगंगा परियोजना के निर्माण कार्य के सम्बन्ध में और कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) यह परियोजना कब पूरी हो जाने की संभावना है ; और

(ग) इस परियोजना के सम्बन्ध में अब तक हुई प्रगति से सरकार कहां तक सन्तुष्ट है ?

**सिंचाई और विद्युत् मंत्री (श्री फखरुद्दीन अहमद)** : (क) परियोजना पर कार्य नवम्बर 1964 में आरम्भ किया गया था । दो व्यपवर्तन सुरंगों को छोड़ कर बांध तथा उसके आनुषंगिक कार्य विभाग द्वारा किए जा रहे हैं । व्यपवर्तन सुरंगों का निर्माण कार्य एक प्राईवेट फर्म को सौंप दिया गया है ।

व्यपवर्तन सुरंगों में से एक की लम्बाई 553.36 मीटर होगी और दूसरी की 711.494 मीटर । छोटी सुरंग अक्तूबर, 1967 में और बड़ी अक्तूबर, 1968 में पूरी होनी है ताकि नदी जल के व्यपवर्तन कार्यक्रम के साथ तालमेल हो सके ।

सुरंग के मुख द्वारों पर कार्य लगभग पूर्ण हो गया है । छोटी सुरंग पर 113 मीटर की लम्बाई में उसके पूर्ण सैक्शन में काम पूरा हो गया है और आधे सैक्शन में 226 मीटर तक । दूसरी सुरंग पर पूर्ण सक्शन में 117 मीटर की लम्बाई में और आधे सैक्शन में 248 मीटर तक कार्य पूर्ण हो चुका है । कार्य अनसूचित कार्यक्रम के पीछे रह गया है, परन्तु फिर भी उपर्युक्त कार्यक्रम के अनुसार नदी जल के व्यपवर्तन के लिये सुरंगों के समय पर ही तैयार हो जाने की सम्भावना है ।

मुख द्वारों की तथा एक स्टिलिंग बेसिन की खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया है, और दूसरे स्टिलिंग बेसिन की खुदाई हो रही है । मुख्य और सैडल बांध क्षेत्र की सफाई का कार्य संतोषजनक रूप से प्रगति कर रहा है और 50 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका हुआ है । बांधों पर अद्यतन की गई कुल खुदाई 48.74 लाख घनमीटर है । मशीनरी के लिये आवश्यक पुर्जों की कमी के कारण यह प्रगति अनुसूचित कार्यक्रम से तनिक पीछे रही है ।

मुख्य बांध पर ग्राऊट कर्टेन का कार्य संतोषजनक रूप से प्रगति कर रहा है और छेदन तथा पतली भराई का कार्य 3001.71 मीटर तक हो चुका है ।

मुख्य और सैडल बांधों पर जल-निकास सुरंगों की कुल 1247 मीटर खुदाई लम्बाई में से 707 मीटर लम्बाई में खुदाई पूर्ण हो चुकी है ।

मुख्य बांध पर कंक्रीट का कार्य प्रगति कर रहा है ।

(ख) परियोजना को मार्च, 1972 में पूर्ण होना लक्षित है ।

(ग) यह कार्य-प्रगति अनुसूचित कार्यक्रम से कुछ पीछे रह गई है । इसका कारण परियोजना पर लगाई गई मशीनरी के लिए आवश्यक पुर्जों का न मिलना और व्यपवर्तन सुरंगों के निर्माण में अनुभूत अननुमित कठिनाइयां हैं । पर राज्य सरकार प्रगति में इस बाधा को इतना महत्वपूर्ण नहीं समझती है कि जिस से परियोजना की पूर्ण होने की लक्ष्य तिथि प्रभावित हो जाए ।

**दिल्ली में मच्छरों का उत्पात**

2648. **श्री विभूति मिश्र :**
**श्री क० ना० तिवारी :**
**श्रीमती सावित्री निगम :**

क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो वर्षों से नई दिल्ली में नार्थ ऐवेन्यू, साउथ ऐवेन्यू तथा आस पास के क्षेत्रों में मच्छरों का उत्पात बढ़ रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस उत्पात को रोकने के लिये क्या उपाय किये गये हैं ?